Raj Express (Indore), 8th June 2021, Page-11

दुनिया के सामने सबसे बड़े पर्यावरणीय खतरों में से एक है जलवायु परिवर्तन

अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में विशेषज्ञों ने लिया भाग

इंदौर ■ राज न्यूज नेटवर्क

आईआईटी इंदौर राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन संस्थान, नई दिल्ली के सहयोग से तीन दिवसीय लचीलापन और स्थिरता के लिए पारिस्थितिकी तंत्र बहाली: प्रकृति के साथ रहना पर एक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया गया। सम्मेलन विश्व पर्यावरण दिवस- पारिस्थितिकी तंत्र की बहाली के लिए संयुक्त राष्ट्र दशक के शुभारंभ का हिस्सा है।

सम्मेलन का आयोजन शिक्षाविदों, वैज्ञानिकों, इंजीनियरों, शोधकर्ताओं, पेशेवरों, चिकित्सको और सलाहकारों को जल संसाधन, पर्यावरण और जलवायु परिवर्तन के बारे में अपने नवीनतम निष्कर्षों को प्रस्तुत करने व चर्चा करने के लिए एक अकादमिक मंच प्रदान करने के उद्देश्य से किया गया है। इसके अलावा सम्मेलन जलवायु परिवर्तन का भी पता लगाने की कोशिश करता है जो दुनिया के सामने सबसे बड़े पर्यावरणीय खतरों में से एक है, जो संभावित रुप से खाद्य उत्पादन और सुरक्षा, निरंतर जल आपूर्ति, वनों की जैव विविधता आदि को प्रभावित कर सकता है।

110 से अधिक पत्रों में से 85 का चयन: विशेष अंतर्राष्ट्रीय अतिथि डॉ. राल्फ चामी, सहायक निदेशक, अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष, वाशिंगटन डीसी, संयुक्त रा%य अमेरिका ने हमारे कल्याण और आर्थिक प्रणाली के लिए प्रकृति का मूल्य पर अपनी बात रखी। पद्मश्री प्रो. दीपक फाटक, अध्यक्ष, संचालक मंडल, आईआईटी इंदौर ने उद्घाटन सत्र की अध्यक्षता की। सम्मेलन का उद्घाटन डॉ. मनीष कुमार गोयल, एसोसिएट प्रोफेसर, आईआईटी इंदौर ने किया। प्रो. अनिल के. गुप्ता, प्रमुख, ईसीडीआरएम, एनआईडीएम ने प्रतिभागियों का स्वागत किया। प्रो. नीलेश कुमार जैन, कार्यवाहक निदेशक, आईआईटी इंदौर ने आयोजकों व प्रतिभागियों को प्रोत्साहित किया और बधाई दी।